

## खास-खबरें

प्रशंसकों का जुनून विश्वकप जीतने के इरादे को करता है मजबूत: कोहली

कोलंबो (एजेंसी)। भारत के स्टार क्रिकेटर विराट कोहली ने कहा कि देश में क्रिकेट के प्रति जुनून और समर्थन एक बार फिर विश्व कप ट्रॉफी घर लाने के भारतीय टीम के इरादे को मजबृती प्रदान करता है। क्रिकेट विश्व कप टूर्नामेंट पांच अक्टूबर से 19 नवंबर के बीच भारत में खेला जायगा। कोहली ने कहा, हमारे प्रशंसकों का जुनून और अद्दृ समर्थन ही विश्व कप जीतने के हमारे दृढ़ संकल्प का बढ़ावा देता है। पिछले विश्व कप जीत की यादें, विशेष रूप से 2011 की जीत, हमारे दिलों में अंकित हैं, और हम अपने प्रशंसकों के लिए नई यादें बनाना चाहते हैं। मैं इस अविश्वसनीय अभियान का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। हम अपने प्रशंसकों के सपनों को साकार करने के लिए अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हैं।

## साउदी को फिटनेस साबित करने का पूरा मौका मिलेगा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीडन ने कहा है कि तेज गेंदबाज टिम साउदी को भारत में अगले महीने होने वाले विश्व कप से पहले अपनी फिटनेस साबित करने का पूरा मौका मिल दिया जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे बनाडे के दौरान एक कैच लपकते समय साउदी के दाहाने अंगूठे की हड्डी टूट गई थी। स्टीडन ने कहा कि विशेषज्ञ से राय लेकर उनके बारे में फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि तब तक हम विश्व कप को लेकर फैसला नहीं ले सकते। हमें समय सीमा को समझना होगा और जानकारी मिलने के बाद ही हम कोई फैसला लेंगे। हम टिम को फिटनेस साबित करने का पूरा मौका देंगे।

## कई भारतीय खिलाड़ियों के लिए अखिरी होंगे हांगझोउ एशियाई खेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेनिस स्टार रोहन बोपना से लेकर हांगकांग के दीवार के दिग्गज गोलकीपर पी आर श्रीजेश और महान टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल तक, भारत के कई धाकड़ खिलाड़ी हांगझोउ में एशियाई खेलों से बिदा लेंगे। वह भारत और रोहन चालीस पार करने के बाद भी विश्व स्तरीय प्रदर्शन कर रहे हैं हैं जबकि 35 वर्ष के श्रीजेश अभी भी भारतीय हांगकांग की दीवार हैं। रेनिस खिलाड़ी अंकित रैना और चक्रवाक के खिलाड़ी सीमा पूर्णिया के लिए भी यह अखिरी एशियाई खेल हैं। ये सभी कैरियर के अखिरी पड़ाव पर भी पदक के दावेदार हैं।

**रोहन बोपना:** 43 वर्ष के बोपना ने इस साल पूर्ण युगल वर्ग में विम्बलडन सेमीफाइनल और अमेरिकी ओपन फाइनल खेला। इकाईस साल पहले एशियाई खेलों में पदार्पण करने वाले बोपना गत चैम्पियन हैं। उन्होंने 2018 में दिविज शरण के साथ खिलाफ जीत ली। 2006 में सीनियर स्तर पर पहली अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने के बाद वह तोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद कास्य जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। जकार्ता में कास्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम को अगर पदक का रंग बदलना है तो उसमें श्रीजेश की अहम भूमिका होगी।